

# देवी अन्नपूर्णा जी की आरती



देवी अन्नपूर्णा जी की आरती

बारम्बार प्रणाम, मैया बारम्बार प्रणाम ।

जो नहीं ध्यावे तुम्हें अम्बिके, कहाँ उसे विश्राम ।  
अन्नपूर्णा देवी नाम तिहारो, लेत होत सब काम ॥  
बारम्बार प्रणाम, मैया बारम्बार प्रणाम ।

प्रलय युगान्तर और जन्मान्तर, कालान्तर तक नाम ।  
सुर सुरों की रचना करती, कहाँ कृष्ण कहाँ राम ॥  
बारम्बार प्रणाम, मैया बारम्बार प्रणाम ।

चूमहि चरण चतुर चतुरानन, चारु चक्रधर श्याम ।  
चंद्रचूड़ चन्द्रानन चाकर, शोभा लखहि ललाम ॥  
बारम्बार प्रणाम, मैया बारम्बार प्रणाम ।

देवि देव ! दयनीय दशा में दया-दया तब नाम ।  
त्राहि-त्राहि शरणागत वत्सल शरण रूप तब धाम ॥  
बारम्बार प्रणाम, मैया बारम्बार प्रणाम ।

श्रीं, ह्रीं श्रद्धा श्री ऐ विद्या श्री क्लीं कमला काम ।  
कांति, भ्रांतिमयी, कांति शांतिमयी, वर दे तू निष्काम ॥  
बारम्बार प्रणाम, मैया बारम्बार प्रणाम ।

माता अन्नपूर्णा की जय